

17/6  
19

पञ्जाबनी पेश हुई जायगिण व  
वहील जायगिण अनुपरिचल। बार-  
बार आवाज दिलवापी जाते पर  
भी जायगिण वी ठौर से कोई  
उपरिचल नही। अतः जायगिण का  
प्रापक अस्थाई निवेद्यासा अदम  
हाजरी अदम परी में श्वारीज  
फिगा जाता है। पञ्जाबनी फंसल  
शुमार होकर नाम्मा से कत होकर  
हाजिल हाजलर हो।

(अंजु शर्मा)  
सहायक कलक्टर  
फास्ट ट्रेक नीमकाथाना